आज की मुरली का सार --

बाबा ने कहा, इस पढाई में स्कौलरशिप लेने का या अपने आपको राजाई का तिलक देने का आधार हे -

ईश्वरीय पढाई पर पूरा ध्यान दे.

एक-दूसरे को भाई-भाई समझ कर चले.

याद की यात्रा का बहोत पुरूषार्थ करे.

जो बाप को पूरा मददगार बने.

1. ईश्वरीय पढाई पर पूरा ध्यान दे.

इस ईश्वरीय पढाई की दो बातें मुख्य हे. स्वयं की स्थिति आत्मा अभिमानी बनाने की प्रैक्टिस करना ओर दैवी गुणों की धारणा करना.

आत्म-अभिमानी स्थिति बनाने के लिये, लंबे काल के लिये साईलेन्स में रहने का ओर अंन्तरमुखि अवस्था में रहने का पुरुषार्थ करना चाहिये. खुद की आत्मिक स्थिति को बढ़ाने के लिए नीचे दिये गये स्वमानो को बार-बार स्मृति में लाने का अभ्यास करना हे.

में आत्मा, परमप्रिय-परमपिता-परमआत्मा शिवबाबा का बच्चा हूं.

में शांत ओर पवित्र स्वरूप आत्मा हूं.

में ब्रुकुटि में चमकता हुआ सुंदर सितारा हूं.

मुझ आत्मा से शांति ओर पवित्रता की किरणें निकल कर चारों ओर फैल रही हे.

में आत्मा, मास्टर सर्वशक्तिमान हूं.

अंन्तरमुखि अवस्था में रहने के लिये कहा, बहार का देखते हुवे भी न देखो, सुनते हुवे भी ना सुनो. एक बाप से ही सुनो. ये प्रैक्टिस करनी हे.

दैवी गुणों की धारणा के लिए सबसे पहले ये चेक करो, हम अपने मन-वचन-कर्म से किसको दुख तो नहीं देते हे.

2. एक-दूसरे को भाई-भाई समझ कर चले.

इस के लिए हमारी व्रुति को चेंन्ज करना पड़ेगा. अगर हमारी व्रुति साफ हे, तो हमारी दृष्टि भी हमारे पूरे कंट्रोल में रहेगी ओर हमारी क्रुति अपने आप एक दैवी पुरुष (सतोप्रधान आत्मा) जैसी बन जायेगी. इस कलयुगी संसार में रहते, एक-दूसरे को आत्मा भाई समझ कर हम एक-दूसरे से व्यवहार में आये, एसी व्रुति हमारी हो.

3. याद की यात्रा का बहोत पुरूषार्थ करे.

चलते फिरते हमारी बुद्धि में सदा एक बाप की याद स्वतः ही रहे. जैसे एक सोलजर जब लडाई में जाता हे तो अपने हथियार सदा साथ रखता हे, वैसे ही संगम पर हम आत्माओं की माया से वोर चलती ही रहती हे, इसमें खुद को सेफ करने के लिये बाबा की याद हमारा हथियार हे. अगर हम बाबा को भुले तो माया कभी भी बार कर सकती हे. तो याद रखो खुद की सेफ्टी का साधन हे, बाबा की निरंतर याद, जिसे ही बाबा याद की यात्रा कहते हे.

4. जो बाप को पूरा मददगार बने.

ये हमारा अमूल्य ईश्वरीय जन्म हे, इस जन्म को सफल बनाना हे तो यज्ञ सेवा में खुद को तन-मन-धन-समय-श्वास-संकल्प-सम्बन्ध सबकुछ समरपित कर दो. बाप को पूरा मददगार बनो. बाबा ने कहा, जो बाप के मददगार हे ऊसे बाबा भी याद करते हे ओर सर्चलाईट देते हे.

ॐ शांति.